

बहुत दिनों तक पेंडिंग रखा जाये ? मैं यह जानना चाहता हूँ कि सरकार यह अंग्रेजों की डिवाइड एंड रूल की पालिसी कब तक अपनाती रहेगी ?

Mr. Speaker: No answer need be given to this question.

श्री तुलशीदास जाधव : मैं यह जानना चाहता हूँ कि यू० पी० और बिहार के बीच जिस प्रकार बार्डर का झगड़ा है, हिन्दुस्तान में जहाँ जहाँ ऐसे बार्डर के झगड़े हैं, क्या उन को निपटाने के लिये कोई कमेटी मुकर्रर की जायेगी ।

Shri Nanda: Each case has to be dealt with.

संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं में हिन्दी को माध्यम बनाना।

+

{ श्री प्रकाशवीर शास्त्री :
श्री म० ला० द्विवेदी :
श्री रामचन्द्र उलाका :
*६३७. श्री नि० रं० लास्कर :
श्री धूलेश्वर मीना :
श्रीमती सावित्री निगम :
श्री विभूति मिश्र :

क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं में हिन्दी को माध्यम बनाने में क्या कोई और प्रगति हुई है ; और

(ख) इसको व्यवहार में कब तक लाने की आशा है ?

गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य-मंत्री (श्री हजरनवीस) : (क) और (ख). यह सारा मामला विचाराधीन है । मामले को अन्तिम रूप देने पर हिन्दी को लागू करने की तिथि घोषित कर दी जायगी ।

[(a) and (b). The entire question is under consideration. As soon as the matter is finalised, the date from

which Hindi will be introduced will be announced.]

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : सरकार अपना यह घिसा-पिटा उत्तर कई वर्षों से एक ही रूप में निरन्तर देती आ रही है । मैं यह जानना चाहता हूँ कि मंत्रि-मंडल को सर्व-सम्मत निर्णय हो जाने के पश्चात्, और राष्ट्रपति जी के आदेश हो जाने के पश्चात् भी अभी तक इस संबंध में निर्णय क्यों नहीं लिया जा सका ।

श्री हजरनवीस : जैसा कि मैं पहले कह चुका हूँ, इसमें कई पेचीदा सवाल हैं । एक सवाल यह है कि यदि दो माध्यम से परीक्षा ली जायेगी, तो उनका पारस्परिक मूल्यांकन कैसे होगा, अर्थात्, कुछ उत्तर हिन्दी माध्यम से दिये जायेंगे और कुछ उत्तर अंग्रेजी मध्यम से दिये जायेंगे, तो उनका पारस्परिक मूल्यांकन कैसे होगा । यह प्रश्न विचाराधीन है ।

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने अभी जो उत्तर दिया है, उसके संबंध में मैं यह जानना चाहता हूँ कि जब केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने इस संबंध में सर्व-सम्मत से निर्णय किया था और राष्ट्रपति जी ने भी अपना आदेश दे दिया था, तो जो कठिनाई वह आज बता रहे हैं, क्या उस समय इस पर विचार नहीं किया गया था, जो इतने वर्षों के बाद यह युक्ति दी जा रही है ।

गृह-कार्य मंत्री (श्री नन्दा) : जहाँ तक मैं इसको देख सका हूँ, इस वक्त यह स्थिति है कि यह बातचीत हो रही है, यू० पी० एस० सी० के साथ पत्र-व्यवहार हो रहा है । इवेल्युएशन का एक यूनिफार्म बेसिस हो और हिन्दी मीडियम में परीक्षा देने वालों को क्या सुविधायें दी जायें और इसके लिये क्या इन्तजाम किया जाये, इस बारे में बात-चीत हो रही है । जब इस का कुछ नतीजा

निकलेगा, तो उस वक्त इस बारे में फैसला होगा ।

श्री गोविन्द दास : क्या यह बात सही नहीं है कि जिस समय स्वर्गीय पन्त जी हमारे गृह मंत्री थे और उसके बाद जब श्री लाल बहादुर शास्त्री गृह मंत्री हुए, तो पन्त जी और शास्त्री जी ने केन्द्रीय मंत्रिमंडल के सर्व-सम्मत निर्णय की घोषणा यहां पर की और यह भी कहा कि सन्, १९६३ से यह कार्य कर दिया जायेगा ? मैं यह जानना चाहता हूं कि इस प्रकार से एक सर्व-सम्मत निर्णय होने के बाद और दो दो गृह मंत्रियों द्वारा यह घोषणा कर देने के बाद कि १९६३ के बाद यह व्यवस्था लागू हो जायेगी, इसको कार्य रूप में परिणत क्यों नहीं किया गया है ।

श्री नन्दा : मेरे पास श्री लाल बहादुर शास्त्री जी का एक जवाब है, जो कि उन्होंने २७ मार्च, १९६३ को दिया । जो सवाल अब माननीय सदस्य ने पूछा है, उसके बारे में उन्होंने यह कहा था :

"As to when it will be done, I hope it will be decided very soon."

इसका मतलब यह है कि उस वक्त उन्होंने कोई स्पेसिफिक जवाब नहीं दिया । (Interruptions) मैं कह रहा था कि इसकी कोई निश्चित तिथि फिक्स नहीं हुई थी कि अब कहा जाए कि अब क्यों इसको आगे बढ़ाया जा रहा है ।

Shri P. Venkatasubbaiah: May I know whether while taking a decision to hold the UPSC examinations in Hindi, sufficient safeguards and protection will be given to the people from the non-Hindi-speaking areas, so that their claims may not be jeopardised by those from the Hindi-speaking areas?

Shri Nanda: The question raised by the hon. Member is linked up with the answer given earlier as to evolving a uniform basis for evaluation, so that there may be no disadvantage to either the one or the other.

Shri Karuthiruman: May I know whether there is any proposal that the UPSC examinations may be answered in any of the fourteen languages mentioned in our Constitution?

Shri Nanda: No.

Mr. Speaker: Shri P. C. Borooah.

Shrimati Savitri Nigam: Sir, . . .

Mr. Speaker: I said only yesterday that an hon. Member who began to speak before I had identified him or her would not catch my eye.

Shri Warrior: She wants only to catch your ears and not the eye.

Shri P. C. Borooah: Since Hindi is spoken in a different manner in different areas, may I know whether any scheme has been framed by Government to standardise the Hindi, so that the students sitting for the UPSC examinations can take their examinations easily?

Shri Nanda: This will be a part of the arrangements in relation to the provision of certain facilities and in order to enable those who will exercise the option in respect of Hindi, so that they are not placed at a disadvantage in making an effective use of that option.

Shri P. C. Borooah: My question has not been answered. Hindi is spoken in a different manner in different areas. May I know in what type of Hindi the candidates will be examined? Will there be a standardised Hindi?

Shri Nanda: Of course, the friends who know more about Hindi than I do will be able to give a better answer, but as far as I know, so far as the use of Hindi for these purposes is concerned, I do not think there are any large variations.

Shrimati Savitri Nigam: There may be some difficulty in making the Hindi medium as a possibility in the UPSC examinations. May I know what diffi-

culty Government are facing in making Hindi as one of the subjects for the UPSC examination?

Shri Nanda: It is.

Shri Hajarnavis: It already is.

श्री सरजू पाण्डेय : उत्तर प्रदेश में ग्राम तौर से पढ़ाई का माध्यम हिन्दी है और इन्तहान अंग्रेजी में होता है, जिसका परिणाम यह होता है कि ग्राम तौर से लड़के अंग्रेजी में फेल होते हैं, ज्यादातर लड़के अंग्रेजी में पास नहीं होते हैं। मैं यह जानना चाहता हूँ कि विद्यार्थियों की इस कठिनाई को देखते हुए क्या सरकार इस बारे में कोई कदम जल्दी उठाएगी ?

श्री हजरनबीस : सरकार का इरादा जल्दी से जल्दी कदम उठाने का है।

Shri Warrior: When this introduction of Hindi as the medium is given effect to, will all the subjects be dealt with only in Hindi, or will English also be there?

Shri Nanda: This is a matter in question whether the option should apply throughout or should be only selective.

Shri Kapur Singh: Is it true that that the candidates from the Hindi-speaking areas now show comparatively poor results before the UPSC, and if so, may I know whether this proposal for Hindi medium has something to do with this phenomenon?

Shri Hajarnavis: No. I do not think that the candidates from any particular area fare better than others.

Shri Tyagi: I understand from the answer of the hon. Minister that the Cabinet had taken a unanimous decision, after examining the pros and cons. I do not want to dilate on it any further, but the hon. Minister has said that the matter is still under active consideration.

Mr. Speaker: Order, order. The question should be simple and straight.

Shri Tyagi: He has also added that a decision will be arrived at soon. I want to know what the ministerial active consideration is which is going on still? Why has it taken so much time? It is already four years. The term 'very soon' does not mean four years. What are the matters under consideration? What special matter is under consideration? Is the very policy going to be reconsidered?

Shri Nanda: No, the policy is not at all under consideration; it is a settled policy. What is under consideration is what I said just a little while ago. I might refer to that part of Shri L. B. Shastri's answer which has a bearing on it:

"The Committee which was set up, on the basis of whose recommendations, the presidential order was issued wanted that hurried action should not be taken. They had suggested that it should be agreed to but implemented at the appropriate time. We felt that we should not take some steps immediately. We do not propose to take action on the basis of those recommendations".

The idea was that it might take a certain amount of time. I for my part have been looking into this matter recently and I am also in touch with all the other friends interested in the propagation of Hindi. We shall sit together and try to find a way as soon as possible.

Anti-Corruption Committee

+

Shri Harish Chandra
Mathur:
Shri B. P. Yadava:
Shri Bishanchander Seth:
Shri Dhaon:
Shri Prakash Vir Shastri:
Shri R. G. Dubey:
Shri Vishram Prasad:
Dr. L. M. Singhvi:

*638. { Shri P. C. Borooah: